जय गणेश काटो कलेश | by Lakhbir Singh Lakha

विघ्नहरण मंगलकरण गौरी सुत गणराज
मिलियो आसरो आपको रखियो म्हारी लाज
जय गणेश जय जय गणेश
जय गणेश जय जय गणेश
जय गणेश जय जय गणेश
जय गणेश काटो कलेश

जय गणेश हितकारी
विघ्न विनाशक नाथ प्रथम पूजा हो सदा तुम्हारी

वक्रतुण्ड हे महाकाय श्री गजानंद लम्बोदर
सदा लक्ष्मी संग आपके रहती हैं विघ्नेश्वर
जो भी ध्यान धरे नित तुमरा नर हो चाहे नारी
उसके सारे कष्ट मिटे पल में भारी से भारी
जय गणेश हितकारी .....

रिद्धि सिद्धि नित आठों पहर प्रभु तुझको चंवर डुलावे
गजानंद करुणावतार सब नाम तुम्हारा गावें
पहले पूजन किसका हो जब उठी समस्या भारी
श्री गणेश जी प्रथम पुजते आप बने अधिकारी
जय गणेश हितकारी .....

विघ्नविनाशनहार प्रभु रिद्धि विनायक कहलाते
मेवा मिश्री और मोदक का निसदिन भोग लगाते
एक दन्त गज बदन विनायक महिमा तेरी भारी
मस्तक पर सिन्दूर विराजे मूसक की असवारी
जय गणेश हितकारी .....

प्रथम आपको जो ध्याये सबका काम सफल हो जाए
कभी विघ्न और बाधा शर्मा पास ना उसके आये
जिस प्राणी पर दया दृष्टि हो जाये प्रभु तुम्हारी
लक्खा उसकी रक्षा करते भोले डमरू धारी
मेरे बाबा डमरू धारी .....
जय गणेश हितकारी .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%af-%e0%a4%97%e0%a4%a3%e0%a5%87%e0%a4%b6-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%8b-%e0%a4%95%e0%a4%b2%e0%a5%87%e0%a4%b6-by-lakhbir-singh-lakha/